

भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 402

गुरुवार, 25 जुलाई, 2024/3 श्रावण, 1946 (शक)

रोजगार सृजन के संबंध में निराशाजनक पूर्वानुमान

402. श्री जवाहर सरकार:

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने सिटीग्रुप की उस रिपोर्ट का खंडन किया है जिसमें कहा गया है कि भारत 7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के साथ भी प्रति वर्ष 7 से 8 मिलियन नौकरियां पैदा करने के लिए संघर्ष करेगा, जबकि आने वाले नए लोगों को श्रम बाजार में समाहित करने के लिए अगले 10 वर्षों तक सालाना 12 मिलियन नौकरियों की आवश्यकता है;
- (ख) सरकार द्वारा सीएमआईई रिपोर्ट जैसी पेशेवर गैर-सरकारी रिपोर्टों का भी खंडन किए जाने के क्या कारण हैं;
- (ग) विनिर्माण और औपचारिक क्षेत्रों में इतने कम रोजगार होने के क्या कारण हैं, जबकि 2017-18 और 2021-22 के बीच प्रति वर्ष 20 मिलियन नौकरियां पैदा की गई थीं; और
- (घ) क्या सरकार के एनएसओ आऑकडे यह दशति हैं कि विनिर्माण क्षेत्र में अनौपचारिक संस्थाओं में भी 7 वर्षों में 5.4 मिलियन नौकरियां कम हुईं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करंदलाजे)

(क) से (घ): सरकार ने सिटीग्रुप की उस रिपोर्ट का खंडन किया है जिसमें कहा गया है कि भारत 7% की विकास दर के साथ भी पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए संघर्ष करेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नवीनतम केएलईएमएस डेटा के अनुसार, देश में रोजगार वर्ष 2017-18 में 47.5 करोड़ की तुलना में वर्ष 2023-24 में बढ़कर 64.33 करोड़ हो गया। 2017-18 से 2023-24 के दौरान रोजगार में कुल वृद्धि लगभग 16.83 करोड़ है। इसके अलावा, विनिर्माण (औपचारिक और अनौपचारिक संस्थाएं) क्षेत्र में, 2017-18 से 2022-23 के दौरान 85 लाख रोजगार के अवसरों की वृद्धि हुई है।

कई निजी कंपनियां/निकाय/अनुसंधान संगठन अपनी पद्धति के आधार पर अलग-अलग सर्वेक्षण करते हैं, और सीएमआईई उनमें से एक है। रोजगार और बेरोजगारी पर आधिकारिक डेटा स्रोत आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) है जो 2017-18 से सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा आयोजित किया जाता है। सर्वेक्षण की अवधि हर साल जुलाई से जून होती है। नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट के अनुसार, देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति पर अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) और बेरोजगारी दर (यूआर) इस प्रकार है:

वर्ष	डब्ल्यूपीआर (% में)	यूआर (% में)
2017-18	46.8	6.0
2018-19	47.3	5.8
2019-20	50.9	4.8
2020-21	52.6	4.2
2021-22	52.9	4.1
2022-23	56.0	3.2

स्रोत: पीएलएफएस, एमओएसपीआई

उपरोक्त आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में डब्ल्यूपीआर यानी रोजगार में वृद्धि की प्रवृत्ति है और बेरोजगारी दर में कमी की प्रवृत्ति है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) पेरोल डेटा औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के स्तर का अंदाजा देता है। 2023-24 के दौरान 1.3 करोड़ से अधिक शुद्ध सदस्य ईपीएफओ में शामिल हुए। इसके अलावा, पिछले साढ़े छह वर्षों के दौरान (सितंबर 2017 से मार्च 2024 तक) 6.2 करोड़ से अधिक शुद्ध सदस्य ईपीएफओ में शामिल हुए हैं, जो रोजगार की औपचारिकता में वृद्धि का संकेत देता है।
